Daily Gospel Reflections in Hindi

18 August 2019

मारकुस 7: 1- 13

Do not reject the Word of God to keep your tradition

आज के सुसमाचार में हम फिर से यहूदी नेताओं के दोहरे चरित्र को देखते हैं। हम देखते हैं कि इंसान हमेशा नियमों की कमजोरी ढूँढ़ता है और उन से बचने की ताक में रहता है। प्रभु येसु यहूदी नेताओं के इस राज का खुलासा करते हैं कि किस प्रकार उन्होंने अपने फायदे के लिए ईश्वर की आज्ञाओं का दुरुपयोग किया और आम जनता पर नियमों का बोझ लाद देते है। येसु दिखावे से हट कर सच्चे मन से ईश्वर की आज्ञाओं की आत्मा का पालन करने को कहते हैं। प्रभु हम से आग्रह करते हैं कि हम शरीर के बाहरी स्वछता से ज्यादा आत्मा की पवित्रता का ख्याल रखें।

संत पॉलुस हम से बारंबार कहते हैं कि नियम स्वर्ग राज्य जाने का मार्ग है ना कि लक्ष्य। नियम ईश्वर के पास जाने में हमारे सहायक हैं लेकिन हम उसे बंदिश मान कर उस से मुक्त होने का तरीका खोजते और इस तरह आज्ञा के उल्लंघन करने के दोषि बन जाते हैं। प्रभु हमें आज्ञाओं से मुक्त करा कर ईश्वर संतानों की स्वतंत्रता देने आये हैं। नियम के अधीन रहने वालों को मुक्त करने के लिए वह नियम के अधीन रहा– यह हम प्रतिदिन के मिस्सा बलिदान में सुनते हैं। प्रभु मुक्ति दाता हैं सभी बंधन से मुक्त करने वाले। हम उन्ही को स्वयं का समर्पण करें।

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019